आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 46 अंक 46 (प्रति रविवार) इंदौर, 06 अगस्त से 12 अगस्त 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

137 दिन बाद संसद पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी...

भाजपा का आरोप-देश विरोधी माहौल के लिए विदेशी फंडिंग

लोकसभा में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल पास...

नई दिल्ली। राहुल गांधी सोमवार को संसद सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे। उनके संसद पहुंचते ही लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया। दुबे ने सदन में कहा, देश में पड़ोसी देश के पैसे से पीएम मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूज वेबसाइट में पड़ोसी देश से पैसा आया। यह देश विरोधी है। उधर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाए कि, कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की नकली मोहब्बत की दुकान में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे हैं।

दोपहर बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2023 पास हो गया। इसके कानून बनने से डेटा इकठ्ठा करने वाली कंपनियों को यह बताना होगा कि वे कौन सा डेटा ले रही हैं और उसका क्या इस्तेमाल किया जाना है। कंपनियों को कॉन्टैक्ट डीटेल्स भी यूजर्स को मुहैया कराने होंगे। यूजर्स अपने पर्सनल डेटा को बदलने या उन्हें डिलीट भी करा सकेंगे। इसके बाद फार्मेसी (संशोधन) विधेयक, मीडिएशन बिल लोकसभा में पारित हुए। सबसे आखिर में अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बिल पास हुआ। कानून बनने पर इससे कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत प्राइवेट सेक्टर की मदद से 50 हजार करोड़ रुपए का फंड बनाया जाएगा, जो देश के कॉलेजों, संस्थाओं और यूनिवर्सिटी में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ऋ्ष्ठ) में खर्च किया जाएगा। राहुल की संसद सदस्यता की बहाली को लेकर आज सुबह से सस्पेंस बना हुआ था। सुबह तक कांग्रेस को यकीन नहीं था कि राहुल की सांसदी आज बहाल हो जाएगी। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि अगर आज (7 अगस्त) राहुल की सदस्यता बहाल नहीं की जाती तो कांग्रेस नेता मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट जाते। राहुल की सदस्यता बहाल करने का फैसला लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को लेना था। उन्होंने इस पर देरी नहीं की। आज सुबह 11 बजे लोकसभा सचिवालय के तरफ से अधिसूचना जारी की गई।

इसमें लिखा था, सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को दिए फैसले में राहुल की सजा पर रोक लगा दी है। ऐसे में उनकी संसद सदस्यता बहाल की जाती है। राहुल की सांसदी बहाली की खबर मिलते ही कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने जश्न मनाया। अधीर रंजन चौधरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मिठाई खिलाई। वहीं कांग्रेस समर्थकों ने 10 जनपथ के बाहर ढोल बजाए और डांस किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, स्पीकर ने आज फैसला लिया। हमने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया और सुप्रीम कोर्ट का आदेश मिलने के तुरंत बाद हमने इसे बहाल कर दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, राहुल गांधी की सांसदी बहाल करना एक स्वागत योग्य कदम है। यह भारत के लोगों और विशेषकर वायनाड के लोगों में विश्वास दिलाता है।

राज्यसभा में दिल्ली सर्विस बिल पेश, राघव चड्ढा बोले- नेहरूवादी नहीं, अटलवादी बनिए...

राज्यसभा में सोमवार को केंद्र सरकार की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली सर्विस बिल पेश किया। इस पर AAP सांसद राघव चड्ढा ने कहा- ये बिल एक राजनीतिक धोखा है। भाजपा ने 1989, 1999 और 2013 के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्र में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया था। आज भाजपा के पास मौका है, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दीजिए। राघव बोले- गृहमंत्री अमित शाह कह रहे थे कि पंडित नेहरु दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के पक्ष में नहीं थे। मैं उन्हें बता दूं कि लालकृष्ण आडवाणी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए संसद में बिल लेकर आए थे। अटल जी, आडवाणी जी, सुषमा स्वराज और मदन लाल खुराना ने दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया था। आप ये बिल लाकर उनके संघर्ष का अपमान कर रहे हो। आपके पास मौका है- नेहरूवादी नहीं अटल-आडवाणीवादी बनिए।

चीतों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने बंद की सुनवाई

कहा- चीता प्रोजेक्ट पर केंद्र सरकार से सवाल पूछने की कोई वजह नहीं

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में 9 चीतों की मौत के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि चीतों को देश में बसाने में कुछ समस्याएं जरूर हैं, लेकिन चिंता करने जैसा कुछ भी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की दलीलों को स्वीकार करते हुए सुनवाई बंद कर दी। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत में चीतों को बसाने के प्रोजेक्ट पर सरकार से सवाल पूछने का कोई कारण नहीं है। कूनो में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से 20 चीतों को लाया गया है। चार शावकों ने यहां जन्म लिया। इनमें से 6 चीतों और तीन शावकों की मौत हुई है। इसी मामले को लेकर याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान केंद्र ने कहा कि दुनिया में पहली बार चीते एक कॉन्टिनेंट से दूसरे कॉन्टिनेंट में शिफ्ट किए गए हैं। चीतों के बाड़े का तापमान ज्यादा होना भी उनके लिए मुश्किल होता है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के कम तापमान के मुकाबले यहां का तापमान ज्यादा रहता है। 1952 में देश में चीते विलुप्त घोषित कर दिए गए थे। चीतों को देश में फिर से बसाने की योजना के तहत विदेशों से चीतों को लाया गया है। केंद्र सरकार ने कहा कि भारत में तमाम चुनौतियों के बाद चीतों की मृत्यु दर दुनिया के अन्य हिस्सों के मुकाबले काफी कम होना उपलब्धि है। अन्य जंगली जानवरों यानी बाघ, तेंदुओं और जंगली सुअरों से इन्हें बचाना बड़ी चुनौती है।

हम अपने हैंडलूम, खादी, टेक्सटाइल को वर्ल्ड चैंपियन बनाना चाहते : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रगति मैदान के भारत मंडपम में सोमवार को 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम में अपनी मौजूदगी दर्ज करके विभिन्न कारीगरों, हथकरघा और खादी बुनकरों के साथ बातचीत करते देखा गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने 'भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष' का ई-पोर्टल लांच किया। इस राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने विकसित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले भारत मंडपम का भव्य लोकार्पण किया गया है और आज हम भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मना रहे हैं। भारत मंडपम की भव्यता में भी भारत के हथकरघा उद्योग की अहम भूमिका है। पीएम मोदी ने कहा कि ये वक्त आजादी के लिए दिए गए हर बलिदान को याद करने का है। आज के दिन 'स्वदेशी आंदोलन' की शुरूआत हुई थी। स्वदेशी का ये भाव सिर्फ विदेशी कपड़े के बहिष्कार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि ये हमारी आर्थिक आजादी का बहुत बड़ा प्रेरक था। ये भारत के लोगों को अपने बुनकरों से भी जोड़ने का अभियान था। हमारे परिधान, हमारा पहनावा हमारी पहचान से जुड़ा रहा है। देश के दूर-सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी साथियों से लेकर बर्फ से ढके पहाड़ों तक, मरुस्थल से लेकर समुद्री विस्तार और भारत के मैदानों तक, परिधानों का एक खूबसूरत इंद्रधनुष हमारे पास है। पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान का भारत सिर्फ 'वोकल फॉर लोकल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस ग्लोबल प्लेटफॉर्म भी प्रदान कर रहा है! पहले मन की बात एपिसोड के बाद से खादी पर जोर दिया गया है।

और आज हम सभी दुनिया भर में इसकी शानदार यात्रा के प्रमाण के रूप में खड़े हैं। ये भी दुर्भाग्य रहा है कि जो वस्त्र उद्योग पिछली शताब्दियों में इतना ताकतवर था, उस आजादी के बाद फिर से सशक्त करने पर उतना जोर नहीं दिया गया। हालात ये थी कि खादी को भी मरणासन्न स्थिति में छोड़ दिया गया था। लोग खादी पहनने वालों को हीन भावना से देखने लगे थे। 2014 से हमारी सरकार इस स्थिति और सोच को बदलने में जुटी है।

बनुकरों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो स्वाभिमानी होगा, जिसे स्वदेश पर अभिमान होगा, उसके लिए खादी वस्त्र है। लेकिन जो आत्मनिर्भर भारत के सपने बुनता है, जो मेक इन इंडिया को बल देता है, उसके लिए ये खादी वस्त्र भी है और अस्त्र भी है। 9 अगस्त को पूज्य बापू के नेतृत्व में क्विट इंडिया आंदोलन शुरू हुआ था। पूज्य बापू ने अंग्रेजों को साफ-साफ कह दिया था क्विट इंडिया और अंग्रेजों को भारत छोड़ना ही पड़ा था।

संपादकीय

भरोसा रखें कि आप सफलता का रास्ता ढूंढ लेंगे

आप आज जहां हैं, जाहिर है कि अपने काम करने के खास तरीके के कारण हैं। आपका स्वास्थ्य, रुपये-पैसे की स्थिति, रिश्ते और करियर वगैरह सब, आपकी कार्यप्रणाली और निर्णयों का नतीजा हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आप जहां हैं, क्या उस पड़ाव पर खुश हैं? अगर आप यूं ही अपनी जिंदगी बिताते रहते हैं, तो क्या नतीजों से आप खुद को संतुष्ट महसूस करेंगे? अगर उत्तर में किंतु, परंतु आता है, तो कुछ बदलाव करने एवं जीवन को सकारात्मक सोच एवं दिशाएं देने की जरूरत का वक्त आ गया है। आज के समय में यह बहुत गंभीर मसला है कि निराशा और अवसाद में डूबे लोग इसी सकारात्मकता और ऊर्जा की तलाश में यहां-वहां फिर रहे हैं। ऐसे में बड़े पैमाने पर सकारात्मकता पढ़ाने वालों की जरूरत और भरमार है, पर इनमें से अधिकतर की सबसे बड़ी समस्या है कि वे चीजों को सतही बनाकर पेश करते हैं। सकारात्मकता का अर्थ है- अपनी योग्यता और कार्य करने की क्षमता पर विश्वास। यदि आप किसी कार्य के लिए अयोग्य हों तो आप उस काम को लेकर तब तक सकारात्मक नहीं हो सकते, जब तक कि आप उस काम को करने की योग्यता नहीं हासिल कर लेते। हां, यह बात जरूर है कि यदि आप किसी कार्य में अयोग्य हैं तो अपने को कमजोर मान निराशा या अवसाद में डूबने की जरूरत नहीं है। भरोसा रखें कि आप सकारात्मक रास्ता ढूंढ जीवन को सार्थक कर लेंगे। दुनिया में कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता है। दुनिया का कोई भी कार्य महान नहीं होता, बल्कि महान लोगों द्वारा किए गए कार्य महान बन जाते हैं। कोई कह सकता था कि नर्स होना महत्ती गर्व की बात नहीं है, पर मदर टेरेसा के कार्यों ने उन्हें दुनिया के महानतम लोगों की श्रेणी में खड़ा कर दिया। अंग्रेजों को अहिंसा के माध्यम से घुटने टेकने पर मजबूर करने वाली गांधी अपनी युवावस्था में जब पहली बार कोर्ट में सूट-बूट पहनकर खड़े हुए तो उनके पैर कांपने लगे, जज के सामने उनकी आवाज तक नहीं निकली और वे इतना डर गए कि कोर्ट से भाग निकले। बाद में उन्होंने खुद को इस तरह निखारा कि करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया। कभी ऐसे भी लोगों को हम देखते हैं जो उम्र से युवा हैं पर चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए---, निष्क्रिय ओर खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन---। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह सब हमारी शारीरिक स्वस्थता के साथ-साथ मानसिक स्थिति का और विचारों का एक प्रतिबिंब है। जब कभी आप चिंतातुर होते हैं तो ऊर्जा का स्तर गिरने लग जाता है। उस समय जो अनुभूति होती है, वह है-शरीर में थकावट, कुछ भी करने के प्रति अनिच्छा और अनुत्साह---। चिंता या तनाव जितने ज्यादा उग्र होते हैं, उतनी ही इन सब स्थितियों में तेजी आती है, किसी काम में तब मन नहीं लगता। दूषित और दमघोंटू वातावरण में हर आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित हो रहा है। कोशिकाएँ ईर्ष्या और घृणा के धुएं से जल रही हैं। फेफड़े संयम के बिना शुद्ध ऑक्सीजन नहीं ले पा रहें है, कलह का दावानल पोर-पोर को जला रहा है, ऐसी स्थिति में इंसान का जीना समस्या है। लेकिन वह कैसे जीए? भागम-भाग, तनाव एवं घटनाबहुल आज के इस युग में सकारात्मक होना, ऊर्जावान होना इसके लिये एक बेहतरीन बात है और इसी के माध्यम से मानव जीवन ने ऊंचाइयों को छुआ है। यह सकारात्मकता एवं ऊर्जस्विलता ही है, जिसने आम इंसानों को ऐतिहासिक पुरुषों के रूप में महानता प्रदान की है।

डेढ़ अरब की आबादी के लिये घातक है साम्प्रदायिक हिंसा

ललित गर्ग

हरियाणा के जिला नूंह में धार्मिक शोभायात्रा पर पथराव के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा ने जो विकराल रूप लिया है वह भयावह एवं चिन्ताजनक तो है ही, यह सवाल भी छोड़ता है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की ऐसी घटनाएं आखिर थम क्यों नहीं रही हैं? क्यों प्रशासन अराजक तत्वों के आगे इतना बेबस हो जाता है? क्यों चुनावों से पहले ही ऐसी अराजक एवं साम्प्रदायिक शक्तियों सक्रिय होकर देश की शांति एवं सौहार्द की स्थितियों को तार-तार करने लगती है? क्यों नफरती, घृणा एवं द्वेष के भड़काव भाषणों पर नियंत्रण का बांध नहीं बांधा जाता? क्यों बार-बार सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की हिंसा, आगजनी एवं साम्प्रदायिकता के खिलाफ गुहार लगानी पड़ती है? अगर हर बार हिंसा रोकने के लिये गुहार न्यायपालिका से करनी पड़े, तो विधायिका एवं कार्यपालिका की सार्थकता कितनी रह जाती है? इन प्रश्नों के अलावा मूल प्रश्न है कि आखिर नूंह की घटना ने समूचे हरियाणा को हिंसा की आग में क्यों और किस तरह झोंक दिया और इसका जिम्मेदार कौन है?

नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा एक षडयंत्र एवं सुनियोजित साजिश थी। इस हिंसा के मामले में आवश्यकता इसकी भी है कि उसके पीछे के कारणों की तह तक जाया जाए, क्योंकि इतनी भीषण हिंसा बिना किसी सुनियोजित साजिश के नहीं हो सकती। नूंह में भयावह साम्प्रदायिक उन्माद एवं हिंसा में जलाभिषेक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ पुलिस को निशाना बनाया गया, बड़े पैमाने पर आगजनी, गोलीबारी और लूटपाट हुई, तभी इसके प्रतिक्रियास्वरूप अन्य इलाकों में हिंसा हुई, जिससे बचा जा सकता था। एक वर्ग विशेष में इस तरह की हिंसा को जानबूझकर दावानल बनने दिया जा रहा है, जिसका विस्फोट कभी हरियाणा तो कभी दिल्ली, कभी राजस्थान तो कभी अन्य प्रांतों में होता रहता है, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं मीडिया की सक्रिय भूमिका है। इन पर नियंत्रण के लिये जरूरत सख्त कदम उठाने की हैं। नूंह हो या दिल्ली, किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं हैं। हम आज एक अराजक एवं उन्मादी तत्व को बचायेंगे तो कल ऐसे दस पैदा हो जायेंगे। इसके लिये उत्तरप्रदेश का योगी मॉडल ही कारगर है।

साम्प्रदायिक तनाव एवं हिंसा की हर घटना के बाद एहतियाती उपाय भी खूब होते हैं लेकिन इस अहम सवाल का जवाब हमेशा बहुत पीछे छूट जाता है कि आखिर दंगों की ऐसी आग, आए

दिन देश के अलग-अलग हिस्सों को क्यों झुलसाने लगी है? दूसरा सवाल यह भी कि ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा के लिए दोषी किसे ठहराया जाए? नूंह के मामले को भी बारीकी से समझा जाए तो लगता है कि प्रशासन और पुलिस ने इस धार्मिक जुलूस को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही बयानबाजी को गंभीरता से नहीं लिया। संवेदनशील इलाकों में धार्मिक जुलूस की अनुमति देने से पहले जो पड़ताल की जानी चाहिए वह आखिर क्यों नहीं की गई? नूंह ही नहीं, बल्कि ऐसे सभी मामलों में सरकार में बैठे लोगों को इन सवालों के जवाब गंभीरता से तलाशने होंगे। एक बात और, ऐसे दंगों के बाद राजनेताओं और धर्म के ठेकेदारों के बयानों पर भी नजर रखनी होगी जो बेवजह समुदायों को उकसाने का काम करते हैं। हेट-स्पीच का बढ़ता प्रचलन ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा को भड़काने का मूल कारण है। न जाने कितने नफरती भाषण ऐसे रहे, जिनमें किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। नूंह की हिंसा के मामले में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भड़काऊ भाषण दोनों पक्षों की ओर से दिए गए। स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि नफरती तत्वों को जरूरी सबक मिले। कई बार तो घोर आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आवरण पहना दिया जाता है। भड़काऊ भाषणों पर कार्रवाई के मामले में दोहरे मानदंड समस्या को बढ़ाने वाले ही सिद्ध हो रहे हैं। यह जो साबित करने की कोशिश हो रही है कि ऐसे भाषण केवल किसी एक विशेष समूह या विचारधारा से जुड़े लोग ही दे रहे हैं, वह एक शरारती एजेंडा है और उसे बेनकाब करने की आवश्यकता है। क्योंकि हिंसा करने वाले दोषी लोगों से ध्यान हटाने यह एक जरिया है। देश में दंगों की आग कब और कहां भड़क जाए, यह कोई नहीं जानता। खास तौर पर धार्मिक जुलूस निकालने को लेकर छिड़ा कोई विवाद जब साम्प्रदायिक तनाव में बदल जाए तो फिर हिंसा की आग बेकाबू होते देर नहीं लगती। यह सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ऐसी घटनाओं में हर बार जान-माल का भारी नुकसान सरकारी दस्तावेज में सिर्फ आंकड़ा बन कर ही रह जाता है। नूंह के दंगों की आग ने जो विकराल रूप लिया, उसके चलते वहां कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई है।

हरियाणा के छह जिलों में निषेधाज्ञा लगाने के साथ-साथ हरियाणा से सटे राजस्थान के भरतपुर में भी अलर्ट जारी करना पड़ा है। नूंह दंगों की आंच गुरुग्राम तक जा पहुंची है जहां एक धार्मिक स्थल को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया जिसमें एक जने की मौत हो गई, मौतें तो और भी हुई है। सब जानते हैं कि वोट बैंक पर कब्जा करने की राजनीति भी दंगों के पीछे छिपे कारणों में से एक रहती है। धर्म के नाम पर उन्माद से फायदा उठाने की चाह रखने वाले लोग ऐसे दंगों की आंच में भी अपनी सियासी रोटियां सेंकने से बाज नहीं आते हैं। दंगे भड़कने और हालात तनावपूर्ण हो जाने के बाद दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण बताने और शांति की अपील करने मात्र से कुछ नहीं होने वाला। सरकारों को सख्त कदम उठाने ही होंगे।

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। प्रमुख रूप से गलती राजनेताओं और सरकार की है। कहीं, क्या कोई अनुशासन या नियंत्रण है? निरंतर साम्प्रदायिकता का दावानल फटता रहता हैं। कोई जिम्मेदारी नहीं लेता- कोई दंड नहीं पाता। राजनीति संकीर्ण एवं सम्प्रदायीकरण, इसी का चरम बिन्दु है। अपराधी केवल वे ही नहीं जिनके दिलों में सम्प्रदायिक संकीर्णता का जहर घुला है। वे भी हैं जो लोकतंत्र को तोड़ रहे हैं या जिनके दिमागों में अपराध एवं उन्माद भावना है। उन्मादी एवं अपराधी नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। साम्प्रदायिक सोच वाले व्यक्ति नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। और सामान्य आदमी के लिए जीवन नियंत्रण से बाहर हो गया है। अगर हम राष्ट्रीय दृष्टिकोण से विचारें तो हमें स्वीकारना होगा कि बहुत-सी बातें हमारे नियंत्रण से बाहर होती जा रही हैं।

वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है कि सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक एवं गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं साम्प्रदायिकता की जहर उगलने वाली स्थितियां ज्यादा प्रभावी होती जा रही है। बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है।

सत्ता से जुड़े एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने वाले साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने में नकारा साबित हो रहे हैं इसलिये सुप्रीम कोर्ट की ओर से समाज को ऐसा कोई संदेश जाना चाहिए कि घृणा का जबाव घृणा, नफरत का जवाब नफरत और हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकती। सभी को यह समझना ही होगा कि शांति और सद्भाव का वातावरण ही उनके और देश के हित में है। यदि समाज अपने नैतिक और नागरिक दायित्वों को लेकर नहीं चेतता तो फिर चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने से भी बात बनने वाली नहीं। इतने बड़े देश में यह काम आसानी से संभव भी नहीं। राष्ट्रीय जीवन में सौहार्द, शांति एवं सद्भावना ऐसी सम्पदाएं हैं कि अगर उन्हें रोज नहीं संभाला जाए या रोज नया नहीं किया जाए, तो वे खो जाती हैं। कुछ सम्पदाएं ऐसी हैं जो अगर पुरानी हो जाएं तो सड़ जाती हैं। कुछ सम्पदाएं ऐसी हैं कि अगर आप आश्वस्त हो जाएं कि वे आपके हाथ में हैं तो आपके हाथ रिक्त हो जाते हैं। इन्हें स्वयं जीकर ही जीवित रखा जाता है। आज हमारे पास ऐसा एक भी राजनेता नहीं है जो नफरत, घृणा एवं द्वेष की साम्प्रदायिक स्थिति से राष्ट्र को बाहर निकाल सके, राष्ट्रीय चरित्र को जीवित रखने का भरोसा दिला सके। डेढ़ अरब की यह निराशा कितनी घातक हो सकती है।

खराब थीं कलेक्टोरेट की तीनों लिफ्ट कलेक्टर जनसुनवाई छोड़ दिव्यांगों से मिले

इंदौर। इंदौर कलेक्टोरेट में लिफ्ट खराब होने से अजीब स्थिति बन गई। कलेक्टर इलैयाराजा को टी. फर्स्ट फ्लोर की अपनी जनसुनवाई के बीच नीचे इंतजार कर रहे दिव्यांगों से मिलने आना पड़ा। दरअसल, यहां तीनों लिफ्ट अचानक खराब हो गई थी। जब कलेक्टर को यह पता चला कि उनसे मिलने के लिए दिव्यांग नीचे व्हील चेयर पर इंतजार कर रहे हैं तो उन्होंने खुद नीचे जाकर मिलने का फैसला किया। मंगलवार को को जनसुनवाई में दिव्यांग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उन्हें जानकारी नहीं थी कि लिफ्ट खराब है। ऐसे में वे निचली मंजिल पर ही रुक गए और कलेक्टर से मिलने के लिए अन्य अफसरों को बताने लगे। ऊपरी मंजिल पर कलेक्टर जनसुनवाई के आवेदनों का निराकरण ही कर रहे थे। जब उन्हें पता चला कि सभी दिव्यांग आवेदक तीनों लिफ्ट बंद होने से ऊपर नहीं आ पा रहे हैं तो उन्होंने सीढ़ियों के रास्ते नीचे जाकर सभी से बात की। शिकायतों का समाधान किया।

एक दिन पहले खराब हुई थी लिफ्ट, रिपेयरिंग जारी थी : दरअसल, सोमवार शाम को कलेक्टोरेट की तीनों लिफ्ट एकाएक खराब हो गई थी। इनका मेंटेनेंस मंगलवार तक चलता रहा। सुबह जब दिव्यांग आवेदक अपनी परेशानी लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि लिफ्ट खराब है। व्हील चेयर से सीढ़ियों से ऊपर जाना दिव्यांग आवेदकों के लिए आसान नहीं था। कलेक्टर कार्यालय परिसर में थोड़ी देर में ही दिव्यांग आवेदकों की भीड़ जमा हो गई। बाद में वे वापस ऊपरी मंजिल पर लोगों की समस्या सुनने पहुंचे।

लिफ्ट के मेंटेनेंस को लेकर खड़े हुए सवाल

सवाल ये है कि सोमवार शाम जब लिफ्ट खराब हो गई थी तो मंगलवार दोपहर तक तीन में से एक भी लिफ्ट को क्यों ठीक नहीं किया गया। जब मेंटेनेंस का ठेका दे रखा है और मेंटेनेंस देखने वाली फर्म की ये जिम्मेदारी है कि अगर लिफ्ट खराब होती है या उसमें कोई गड़बड़ी होती है, तो उसे जल्द से जल्द ठीक किया जाए। फर्म की लापरवाही की वजह से कलेक्टर को दिव्यांगों से मिलने आना पड़ा।

80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगों को ही मिलेगी स्कूटी : जनसुनवाई में पहुंचे दिव्यांगों को कलेक्टर की तरफ से आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही ये भी तय किया गया कि अमृत योजना के तहत अब 80 प्रतिशत से ऊपर के दिव्यांगों को ही स्कूटी दी जाएगी। अभी तक इस तरह का क्राइटेरिया नहीं था। 40 प्रतिशत, 60 प्रतिशत तक के दिव्यांगों को भी वाहन के रूप में स्कूटी दी जाती थी। कलेक्टर ने दिव्यांग ममता मुजाल्दे, सावित्री सेन, कालू, संदीप, मंजूला माली, रेखा सोलंकी, पिन्टू राठौर, गिरधारी, बलवीर सिंह यादव, रामसिंह, शिखा नामदेव, शुभम और राजकुमारी को स्कूटी स्वीकृत की। इसी तरह दिव्यांग मुकेश मुंगेलवाल, अब्दुल रहमान, गजानन तथा शरीफ को बैटरी युक्त ट्राईसिकल मंजूर की। वाहन की यह सुविधा उक्त दिव्यांगों को शिक्षण, रोजगार आदि के लिए दी गई है

दिव्यांगों के लिए अलग से लगेगा रोजगार मेला

कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने दिव्यांगजनों के लिए अलग से रोजगार मेला आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में दिव्यांगजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए जनसुनवाई में उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

बच्ची के साथ ज्यादती करने वाले के अवैध निर्माण पर चले बुलडोजर

सिंगापुर टाउनशिप में पिछले महीने एक बच्ची के साथ ज्यादती का मामला सामने आया था। घटना 25 जुलाई को हुई थी। माता-पिता बाहर गए हुए थे घर पर 8 साल की बच्ची अकेली थी। तब उसके साथ आरोपी यूसुफ पटेल ने ज्यादती की। मामले में आरोपी के खिलाफ लसूड़िया थाने में पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर जनसुनवाई में रहवासी पहुंचे। उन्होंने कहा कि आरोपी के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलना चाहिए। तभी बच्ची को न्याय मिलेगा। हम ये अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम कलेक्टर साहब से न्याय चाहते हैं।

दिव्यांग दंपती को एक लाख रुपए की मंजूरी...

इसी तरह दोना-पत्तल बनाने वाले दिव्यांग दंपती को एक लाख रुपए भी मंजूर किए गए। इस राशि से उक्त दिव्यांग दंपती के रोजगार में वृद्धि होगी और वह आर्थिक रूप से मजबूत बनेंगे। इसी प्रकार एक अन्य दिव्यांग मेमूना शरीफ को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किया। अन्य दिव्यांगों घनश्याम राठौर को दो हजार रुपए तथा राजेश को पांच हजार रुपए तात्कालिक जरूरतों की पूर्ति के लिए मंजूर किए। इसी तरह स्वरोजगार के लिए सुमन सोलंकी को बैंक लोन मंजूर करने के निर्देश दिए गएदिव्यांगों के लिए अलग से लगेगा रोजगार मेलाकलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने दिव्यांगजनों के लिए अलग से रोजगार मेला आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में दिव्यांगजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए जनसुनवाई में उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

खाद का भंडारण देखा कहा किसानों को सहूलियत से मिले खाद-संभागायुक्त

विभिन्न कार्यालयों का भी किया निरीक्षण

इंदौर। संभागायुक्त मालसिंह ने आज इन्दौर संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खाद की भंडारण व्यवस्था देखी और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को खाद सहूलियत के साथ मिलना चाहिए। संभागायुक्त ने विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। संभागायुक्त इन्दौर जिले के मानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ऑगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को दिये जा रहे पोषण आहार, टीकाकरण आदि की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

संभागायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेने के लिए टट्यांभील सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण केन्द्र, प्रसूति वार्ड, जनरल वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध डॉक्टरों एवं स्टाफ की जानकारी ली। संभागायुक्त ने प्रत्येक वार्ड में जाकर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और संधारित पंजियों का अवलोकन भी किया। चिकित्सालय में कई जगह गंदगी दिखने पर सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने यहां बने नवनिर्मित आदर्श पोषण पुनर्वास केन्द्र का भी अवलोकन किया। संभागायुक्त द्वारा डबल लॉक केंद्र राऊ, सेवा सहकारी समिति मानपुर, सहकारी साख समिति गवली पलासिया और प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र डोंगरगांव का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

संभागायुक्त ने जानापाव कुटी गांव मेन रोड पर रूक कर किसान जवाहर पाटीदार से बातचीत की। उन्होंने किसान से पूछा कि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। इस दौरान उन्होंने मजदूरी कर रही महिलाओं से भी बातचीत की। उन्होंने महिलाओं से पूछा कि क्या उन्हें लाडली बहना योजना के तहत राशि मिल रही है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें लाडली बहना योजना सहित अन्य शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

इसके पश्चात संभागायुक्त धार जिले के तहसील और जनपद कार्यालय धरमपुरी पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यालय की सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और पंजियों का अवलोकन किया। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की जानकारी ली और लंबित प्रकरणों को समयावधि में निपटाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कुछ शाखाओं में फाइलें अस्त-व्यस्त? पाये जाने पर उन्होंने रिकार्ड अद्यतन और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये।

मायके वालों का आरोप-ससुराल में प्रताड़ित करते थे...

स्कूल फीस विवाद पर पत्नी ने किया आत्मदाह

इंदौर। इंदौर में एक महिला ने खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह कर लिया। बताया गया है कि बच्चे की फीस भरने को लेकर पति से विवाद हुआ था, जिसके बाद सोमवार सुबह महिला ने यह कदम उठाया। चीख सुनकर पड़ोसी पहुंचे और झुलसी हालत में महिला को अस्पताल ले जाया गया। देर रात उसने दम तोड़ दिया। आजाद नगर थाना क्षेत्र के इदरीस नगर में रहने वाली 35 वर्षीय अन्नूबाई का पति प्रहलाद से झगड़ा हो गया था। इसके बाद अन्नूबाई बच्चे को स्कूल छोड़ने चली गई। प्रहलाद काम पर निकल गया। वह इलेक्ट्रिशियन है। अन्नूबाई ने स्कूल से लौटकर खुद पर केरोसिन डाल लिया। उधर, अन्नूबाई के भाई सोहन ने बताया कि ससुराल वाले बहन के साथ आए दिन किसी न किसी बात को लेकर मारपीट करते थे। रविवार रात को बहन से फोन पर बात हुई थी। उसने बताया था कि पति और ससुर उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। उन्होंने उसका मोबाइल भी छीन लिया। अगले दिन दोपहर को हमें आसपास के लोगों से सूचना मिली कि बहन जल गई है। एमवाय अस्पताल में भर्ती है। हम सीधे अस्पताल पहुंचे। यहां उसे बचाया नहीं जा सका।

बेटे को फीस नहीं भरने तक घर पर ही रहने का कहा : प्रहलाद ने बताया कि बेटा संजीवनी स्कूल में छठवीं क्लास में पढ़ता है। 7 हजार रुपए फीस भरनी थी। स्कूल से बार-बार मैसेज आ रहे थे। कहा गया था कि सोमवार तक फीस जमा नहीं की तो बेटे को स्कूल नहीं आने देंगे। मैंने पत्नी से कहा था कि सोमवार तक रुपए का इंतजाम करता हूं। भले ही बेटे को तब तक स्कूल मत भेजो। वह सोमवार को बेटे को स्कूल छोड़कर आ गई, फिर इस तरह का कदम उठा लिया।

भाजपा चुनाव से पहले कांग्रेस में लगाएगी बड़ी सेंध!

विचारधारा से जोड़ने नेताओं-कार्यकर्ताओं की तैयार की जा रही लिस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही वक्त बचा है। ऐसे में चुनाव से पहले कांग्रेस और भाजपा अपनी अपनी रणनीति बनाने में व्यस्त है। भारतीय जनता पार्टी चुनाव से पहले कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाने की तैयारी में है। इसके लिए कांग्रेस के बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार की जा रही है। ऐसे कांग्रेसियों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी है। एक ओर जहां कांग्रेस सेंध लगाने में जुटी हुई है तो वहीं भाजपा भी पीछे नहीं है। भाजपा इलेक्शन से पहले कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाएगी। इसके लिए बड़े नेताओं के साथ कार्यकर्ताओं की लिस्ट बना रही है। साथ ही बूथ एजेंट बनने वाले कार्यकर्ताओं की सूची भी बनाई जा रही है। संभागीय दौरों के दौरान भाजपा के दिग्गज नेता निर्देश दे रहे है। भाजपा की जिला टीम से लिस्ट मांगी जा रही है। हर विधानसभा से प्रमुख तीन कांग्रेस दावेदारों के नाम भी जुटाए जा रहे। ऐसे कांग्रेसियों को भाजपा की विचारधारा से जोडऩे का प्रयास किया जाएगा।

बूथ एजेंटों से लेकर दावेदारों की बन रही है सूची

2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति के तहत भाजपा इस बार कांग्रेस में जमीनी स्तर से ही सेंध लगाने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक के बाद कोर कमेटी के तमाम सदस्यों की संभागीय बैठकें शुरू हो गई हैं। इसमें भाजपा की जिला टीम से मांगा जा रहा है कि वे कांग्रेस के उन लोगों के नाम बताएं जो बूथों पर एजेंट बनकर बैठते हैं। इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा सीट से संभावित तीन प्रमुख दावेदारों के नाम भी दें, जो चुनाव लड़ सकते हैं। ये दोनों जानकारियां जिलों के प्रमुख नेताओं के साथ मंडल अध्यक्षों से भी मांगी गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के इन बूथ एजेंटों को बाद में पार्टी की विचारधारा से जोडऩे की कोशिश की जाएगी। साथ ही जो प्रबल व मजबूत दावेदार होंगे, उन्हें भाजपा में लाने के प्रयास होंगे। भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को साफ कर दिया है कि बात मप्र की नहीं है, यह देश के चुनाव की बात है। सरकार रहेगी, तभी भाजपा की विचारधारा आगे बढ़ेगी। वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व सरपंचों को भी पार्टी से जोडऩे की तैयारी की है। पार्टी में संभवत~ पहली बार कांग्रेस के एजेंटों और संभावित उम्मीदवारों पर नजर रखी जा रही है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि केंद्रीय लीडरशिप की रणनीति के तहत ही काम हो रहा है। काम कितना हुआ, इसका फीडबैक राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव लेंगे।

डैमेज कंट्रोल भी साथ में

संभागीय दौरों पर जा रहे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रहलाद पटेल, वीरेंद्र खटीक, वीडी शर्मा, नरोत्तम मिश्रा, राकेश सिंह और कैलाश विजयवर्गीय समेत अन्य नेता उपरोक्त फार्मूले पर ही काम कर रहे हैं। संभागों में कोर टीम के साथ इस रणनीति पर चर्चा की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि कई जिलों से पहुंचने भी लगी है। मप्र के भाजपा समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की जल्द ही दमन-दीव में ट्रेनिंग होने वाली है। यह अगस्त के पहले पखवाड़े में ही प्रस्तावित है। जिन राज्यों में चुनाव हैं, उनकी ट्रेनिंग एक साथ हो सकती है। ट्रेनिंग में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और टेक्निकल एक्सपर्ट रहेंगे जो पंचायतों के सफल संचालन के टिप्स देंगे।

राहुल की सदस्यता पर भोपाल में जश्न

कमलनाथ बोले-हमें एक ही बात याद रखना है- डरो मत

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद कांग्रेसजनों में खुशी का माहौल है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने भी खुशी जाहिर की है। भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को आतिशबाजी कर खुशी मनाई। इधर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि कोर्ट के फैसला स्वीकार है, सदस्यता तो दो दिन पहले ही बहाल कर देना चाहिए था। यह लोग कोई अहसान थोड़ी कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ सोमवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। कमलनाथ से जब राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल किए जाने पर सवाल किया तो कमलनाथ ने कहा कि इस फैसले का स्वागत करते हैं। सुप्रीम कोर्ट का आदेश स्वीकार किया। उन्हें तो दो दिन पहले बहाल करना चाहिए था। यह लोग कोई अहसान थोड़ी कर रहे हैं। इससे पहले कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी जी की लोक सभा सदस्यता बहाल करने के फ़ैसले का मैं स्वागत करता हूँ। अब संसद में हमें फिर वह सिंह गर्जना सुनने को मिलेगी जो जनता को अभय और लोकतंत्र विरोधियों को भय देती है। राहुल जी का एक ही मंत्र हम सबको याद रखना है- डरो मत।

जनता सब जानती है

भाजपा की ओर से करप्शननाथ कहने पर कमलनाथ ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन में मेरे ऊपर कोई उंगली नहीं उठा सकता। पहले 15 माह का हिसाब मांगते थे अब चुप हैं। मध्यप्रदेश का हिसाब और गवाह जनता है। कुछ नहीं कर सकते मेरे ऊपर आरोप लगाते हैं। जितना झूठ बोल सकते हैं बोलो। जनता सब जानती है। कमलनाथ ने कहा कि यह रेवडियां बांट रहे हैं। 3 लाख तीस हजार करोड़ कर्ज लिया है। इसका ब्याज पटाने के लिए कर्ज लेना पड़ेगा। मीडिया उनसे पूछे कि 3 लाख तीस करोड़ रुपए का आपने किया क्या। कमलनाथ ने कहा कि तीन लाख तीस करोड़ रुपए का आपने किया क्या। कितने बड़े-बड़े ठेके दिए हैं और कितने बड़े-बड़े ठेके देने जा रहे हैं। इसमें कितना कमीशन लेंगे। आप कर्ज ले रहे हैं अपनी जेब भरने के लिए।

हर मामले में नंबर-1-

कमलनाथ ने कहा कि आज मध्यप्रदेश की तस्वीर आप सभी के सामने हैं। कमजोरों पर अपराध की राजधानी बन गया है। हम महिलाओं के दुष्कर्म में नंबर वन, बाल अपराध में नंबर वन, वरिष्ठजनों पर अपराध में नंबर वन। आदिवासियों पर अपराध पर नंबर वन। यह आज केंद्र सरकार की एजेंसी के ही आंकड़े हैं। कमलनाथ ने कहा कि आज हमारी कानून व्यवस्था बिल्कुल ठप है। आज जो राजनीति चल रही है। आखिरी चार माह चुनाव के बचे हैं।

पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश पर सियासत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों को सोमवार से साप्ताहिक अवकाश मिलना शुरू हो गया है। इस पर अब श्रेय लेने की सियासत भी शुरू हो गई है। पूर्व सीएम कलनाथ ने शिवराज सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पुलिसकर्मी जानते है कि यह तो मामला की चुनावी चाल है। इस पर नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझे खुशी है कि आज से मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों को फिर से साप्ताहिक अवकाश देने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। मैंने मुख्यमंत्री के रूप में जनवरी 2019 में प्रदेश के पुलिसकर्मियों को यह अधिकार दिया था। लेकिन शिवराज सरकार बनते ही पुलिसकर्मियों से उनका यह अधिकार छीन लिया गया था। नाथ ने कहा कि यह बात इसलिए याद दिला रहा हूं कि नीयत को समझना जरूरी है। एक तरफ कांग्रेस है जिसने सरकार बनते ही पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश दिया।

, दूसरी तरफ भाजपा है, जिसे 18 साल तक साप्ताहिक अवकाश की याद नहीं आई, बल्कि उसने पुलिसकर्मियों का अधिकार छीना। साप्ताहिक अवकाश बहाल करके शिवराज सरकार पुलिसकर्मियों के साथ किए गए अन्याय का प्रायश्चित करने की कोशिश कर रही है। अगर यह प्रायश्चित सच्चे दिल से होता तब भी कोई बात थी, लेकिन पुलिसकर्मी अच्छी तरह जानते हैं कि यह तो मामा की चुनावी चाल है।

कमलनाथ जी सरकार चलाने और मुंह चलाने में फर्क होता है

वहीं, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने घोषणा की और उधर पीएचक्यू से आदेश निकला। पुलिसकर्मी साप्ताहिक अवकाश पर चले गए। ऐसे काम किया जाता है। कमलनाथ जी आपको आपके तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समय दिया था, लेकिन आपने सिर्फ घोषणा की। काम कुछ नहीं किया। कमलनाथ जी सरकार चलाने और मुंह चलाने में फर्क होता है।

कांग्रेस विधायक उमंग सिंगार की आदिवासी सीएम की मांग

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा बोले- कमलनाथ जी, अब तो सुनिए

भोपाल। अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने प्रदेश के पूर्व मंत्री और धार जिले के गंधवानी से विधायक उमंग सिंगार ने विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आदिवासी सीएम का मुद्दा उठा दिया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल आदिवासी वोटों को साधने के लिए नई-नई घोषणाएं कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस में आदिवासी सीएम की मांग प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की मुश्किलें बढ़ा सकती है। इस पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ जी, आपके नेता की बात का कुछ तो जवाब दीजिए। धार जिले की बदनावर विधानसभा के कोद में रविवार को कांग्रेस के कद्दावर नेता और विधायक उमंग सिंगार टंट्या मामा की मूर्ति का अनावरण करने बाइक रैली से पहुंचे थे। उन्होंने प्रसिद्ध कोटेश्वर मंदिर में पहुंचकर पूजन-अर्चन किया। बाद में टंट्या मामा की मूर्ति का अनावरण किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में आदिवासी मु यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना। जब तक मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री आदिवासी नहीं बनता, आप लोग घर पर मत बैठना। मैं चाहता हूं कि मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री आदिवासी बने। मैं

अपनी बात नहीं कर रहा। मैं अपने समाज की बात कर रहा हूं।

सिंगार ने कहा कि मैं नेताओं का प्रिय नहीं हूं। मैं आदिवासियों का प्रिय हूं। मैं आपकी बात करता हूं। आपके अधिकार की बात करता हूं तो इन नेताओं को मिर्ची लगती है। मैं डरने वाला आदमी नहीं हूं।

उमंग सिंघार ने बदनावर विधायक और प्रदेश के उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सीट पर आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है। शोषण हो रहा है। दत्तीगांव के लोग आपको लूट रहे हैं। आदिवासी तीर भी रखता है। कमान भी रखता है। फ़ालिया भी रखता है। माछलिया घाट से बदनावर तक यह विधानसभा सीट हमारी है। राजा-महाराजा सुन लें, कहानियां तो राजा महाराजाओं की लिखी जाती हैं, पर इतिहास तो आदिवासियों का ही लिखा जाता है। आपकी ताकत से सरकारें हिलने लगी हैं। राजनीति के बड़े लोग आपको बांटने में लगे हैं।

उमंग की बुआ ने भी उठाई थी आदिवासी सीएम की मांग

उमंग सिंगार के बयान से प्रदेश में नया राजनीतिक बखेड़ा हो गया है। इससे पहले उमंग सिंगार की बुआ जमुना देवी प्रदेश के दिग्विजय सिंह सरकार में उप-मु यमंत्री थीं। भाजपा सरकार के समय नेता प्रतिपक्ष भी रहीं। वे भी प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग लगातार करती रहीं। ऐसे में उमंग सिंगार ने विधानसभा चुनाव के पूर्व नया दांव खेलते हुए राजनीतिक दलों में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि, विधायक उमंग के इस बयान को उन पर लगे तमाम आरोपों से ध्यान हटाकर खुद को मजबूत नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस आलाकमान से नजदीकी का लाभ उठाना चाहते हैं। विधानसभा चुनावों से पहली अपने आपको बड़े नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

धार ही रहा है आदिवासी सीएम की मांग का केंद्र

प्रदेश में आदिवासी मु यमंत्री की मांग को लेकर धार जिला केंद्र बिंदु रहा है। 1980 में स्व. शिव भानु सिंह सोलंकी मनावर से कांग्रेस विधायक थे और उन्हें प्रदेश कांग्रेस विधायक दल का नेता चुन लिया गया था। तब स्व.अर्जुन सिंह को संजय गांधी की निकटता का लाभ मिला और प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया गया था। इसके बाद प्रदेश में परिवहन मंत्री रहे प्रताप सिंह बघेल और उमंग सिंगार की बुआ कांग्रेस की पूर्व उप-मुख्यमंत्री जमुना देवी लगातार प्रदेश से आदिवासी मु यमंत्री की मांग करती रहीं।

नरोत्तम मिश्रा बोले- कांग्रेस आदिवासियों की उपेक्षा कर रही... सिंगार के बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि अपन तो उमंग के कायल हैं। ऐसी ही बात उन्होंने तब कही थी, जब वे सरकार में थे। परदे के पीछे से जो सरकार चला रहे थे- चचाजान दिग्विजय सिंह जी राजा साब... उन्होंने कहा था कि इस मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा माफिया दिग्विजय सिंह हैं। शराब माफिया, खनिज माफिया, मध्यप्रदेश का सबसे भ्रष्ट व्यक्ति कोई है तो दिग्विजय सिंह। अंचभा ये है कि आज तक सिंगार की बात का दिग्विजय सिंह ने खंडन नहीं किया। आज उन्होंने फिर कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री बनना चाहिए। इस पर कमलनाथ जी कुछ तो जवाब दो... आपकी पार्टी के नेता हैं। उन्होंने पहले भी कहा और फिर कह रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस ने जनजातीय बंधुओं की उपेक्षा की है। आप धार के पास झाबुआ जा रहे हैं। बुआ जी जमुना देवी की कांग्रेस ने जिस प्रकार उपेक्षा की, भानु सिंह सोलंकी की उपेक्षा की, दलवीर सिंह की उपेक्षा की और अभी उमंग सिंगार आपके सताए हैं, वे स्वयं यह बात कह रहे हैं।

विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर जनता के बीच पहुंचेगी भाजपा...

'एमपी के मन में मोदी' अभियान को मिल रहा जनता का समर्थन

भोपाल। भाजपा मप्र में एक तीर से दो शिकार करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस रणनीति के तहत भाजपा ने 'मोदी के मन में बसे एमपी और एमपी के मन में मोदी' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के साथ भाजपा मिशन 2023 और मिशन 2024 दोनों को साध रही है। पार्टी के रणनीतिकारों को उम्मीद है की इस अभियान से प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के साथ ही 29 लोकसभा सीटों पर भी जीत का माहौल बनेगा।

इसी बीच पार्टी ने चुनाव में मोदी के नाम को भुनाने की पूरी तैयारी कर ली है। 'मोदी के मन में बसे एमपी, एमपी के मन में मोदी' थीम पर कई ऑडियो और वीडियो गीत बनकर तैयार किए गए है। इन गानों में उनका पूरा मप्र कनेक्शन बताया गया है। यही नहीं केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को शामिल कर उनके चेहरे को ही तवज्जो दी गई है। चुनाव से पहले इन गानों के जरिए यह बताया जाएगा कि, पीएम नरेंद्र मोदी का मप्र से क्या नाता रहा है। पीएम का एमपी के शहरों और गांवों से कितना पुराना रिश्ता है। इसलिए उन्हें प्रदेश की ज्यादा चिंता है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए समर्थन जुटाने के लिए विकास दूत के रूप में रजिस्ट्रेशन करने के लिए मोदी के मन में बसे एमपी और एमपी के

मन में मोदी अभियान शुरू किया गया था। यह अभियान भाजपा की राष्ट्रीय इकाई द्वारा शुरू किया गया था, लेकिन इसे पीएम मोदी और एमपी के साथ उनके कनेक्शन पर केंद्रित किया जा रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, रजिस्ट्रेशन के लिए बनाई गई वेबसाइट पर एक सप्ताह से भी कम समय में 6.95 लाख लोगों ने विकास दूत के रूप में पंजीकरण कराया है। कोई भी व्यक्ति मोबाइल नंबर, नाम, निर्वाचन क्षेत्र और उम्र लिखकर इसके लिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है। वेबसाइट पर पीएम मोदी का एमपी से कनेक्शन समझाने के लिए वीडियो, रिंगटोन और गाने हैं। इसमें महाकाल लोक कॉरिडोर के उद्घाटन, मेगा टेक्सटाइल पार्क, सड़कों, नल जल योजना, आवास योजना और आदिवासी विकास के बारे में न्यूज क्लिप हैं। वेबसाइट पर शॉर्ट वीडियो हैं कि कैसे पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे, विकास और संस्कृति के लिए काम किया है। राज्य के सोशल मीडिया संयोजक अभिषेक शर्मा ने कहा, यह कैम्पेन केंद्र द्वारा शुरू किया गया था और इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

इन पर आधारित होंगे चुनावी थीम सांग : महाकाल लोक का लोकार्पण भोले बाबा के मन भाया, मोदी जैसा भक्त है आया इसमें मोदी को महाकाल का भक्त बताते हुए महाकाल लोक के लोकार्पण के वीडियो दिखाए गए हैं। युवा को नॉलेज, नए मेडिकल कॉलेज गाने की थीम है...इसमें बताया गया है कि प्रदेश में कैसे कॉलेज और शिक्षा का क्षेत्र में विकास हुआ है। जनजाति मुख्य धारा में, घर-घर राशन.. यह गाना विशेष तौर पर जनजाति क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है। इसमें मजदूरों और किसानों का फोकस रखा गया है। प्रदेश के भाजपा पदाधिकारी का कहना है कि इन चुनावों का सीधा असर लोकसभा चुनावों पर भी नजर आएगा। इसलिए पीएम मोदी और अमित शाह को एमपी के मैदान में उतरना पड़ रहा है। हिंदी पट्टी के मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में होने वाले चुनावों में भाजपा के लिए सबसे अहम मध्य प्रदेश ही है। प्रदेश में (कमलनाथ सरकार के 15 महीने छोड़कर) बीते 17 साल से भाजपा काबिज है। यदि यहां भाजपा को झटका लगता है तो इसका सीधा असर लोकसभा चुनाव तक बना रहेगा।

राज्य से लेकर केन्द्रीय कमेटियों में मिल रही है जगह...

कांग्रेस में युवा नेताओं को सौंपी जा रही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भोपाल। भाजपा की तर्ज पर अब मप्र में कांग्रेस पीढ़ी परिवर्तन करने की राह पर चल निकली है। यही वजह है कि अब प्रदेश संगठन के कार्यक्रमों के साथ ही चुनाव की तैयारी में भी युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी के लिए युवाओं को लगातार दायित्व सौंपे जा रहे हैं। इसके साथ ही माना जा रहा है कि अब कांग्रेस भी प्रदेश में अच्छे नेताओं की दूसरी पीढ़ी तैयार करने की ओर आगे बढ़ रही हैं। इसकी बड़ी झलक हाल ही में घोषित की गई चुनाव संबंधी दो समितियों में साफ-साफ देखी जा सकती है।

खास बात यह है कि इन समितियों में किसी एक क्षेत्र की जगह सभी क्षेत्रों से युवाओं को शामिल कर उन्हें आगे लाने का प्रयास किया गया है। दरअसल अब तक प्रदेश में जो भी पार्टी के बड़े नेता हैं, वे सभी अपनी आयु के साठ साल पूरे कर चुके हैं। ऐसे में पार्टी को ऊर्जावान नए नेताओं की आवश्यकता बीते कई सालों से महसूस की जा रही थी। इसी कमी को पूरा करने के लिए अब कमलनाथ के नेतृत्व में नए चेहरों को पार्टी के कामों में लगाने में प्राथमिकता दी जा रही है। गौरतलब है कि प्रदेश भाजपा में पीढ़ी परिवर्तन का दौर बीते तीन सालों से चल रहा है, जिसकी वजह से संगठन में नए चेहरों को काम करने का अधिक मौका दिया जा रहा है।

इन्हें संगठन में दी जिम्मेदारी : गंधवानी से विधायक उमंग सिंघार को पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर पहले से ही जिम्मेदारी दे चुकी है। इसी तरह से पार्टी में आदिवासी नेतृत्व की कमी को पूरा करने के लिए डॉ. विक्रांत भूरिया और रामू टेकाम को आगे लाने का काम किया जा रहा है। इन दोनों ही युवाओं द्वारा इन दिनों प्रदेश में आदिवासी स्वाभिमान यात्रा निकाली जा रही है। इसी तरह से पहले ओमकार सिंह मरकाम को आदिवासी कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था, जबकि प्रदेश में पार्टी की सरकार के समय हिना कांवरे को विधानसभा उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। खास बात यह है कि यह सभी अभी युवा हैं।

Bollywood Update

रश्मिका मंदाना ने रचा ली गुपचुप शादी

मनोरंजन जगत की जानी मानी मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना बहुत वक्त से विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप की खबरों को लेकर खबरों में हैं। दोनों की कई बार साथ में तस्वीरें भी वायरल हुई हैं, लेकिन हाल ही में रश्मिका ने शादी को लेकर ऐसा कमेंट किया जिसे सुनकर उनके प्रशंसक भी हैरान हो जाएंगे। दरअसल, हाल ही में रश्मिका, टाइगर श्रॉफ के साथ एक इवेंट में पहुंचीं तथा वहां रश्मिका ने सबके सामने कहा कि उन्होंने सीक्रेटली किसी से शादी कर ली है। दरअसल, वह जापानी एनीमे सीरीज के नारुतो की फैन हैं तथा उसे बहुत ज्यादा पसंद करती हैं। रश्मिता ने कहा, नारुतो को मैं दिल दे चुकी हूं। ये मेरा पसंदीदा किरदार है। मेरी इस किरदार के साथ शादी हो गई है। इतना ही नहीं रश्मिका ने कहा कि वह सीरीज की किरदार हिनाता बनना चाहती हैं और अपने बाल पर्पल कलर के करना चाहती हैं। बता दें कि सीरीज में हिनाता, नारुतो का प्यार हैं। बता दें कि बहुत वक्त से रश्मिका और विजय साथ में काम कर चुके हैं। हालांकि बीते वर्ष से दोनों के अफेयर की बात सामने आई है। दोनों को कई बार साथ में पार्टी और वेकेशन पर जाते हुए देखा गया है। दोनों हमेशा एक-दूसरे की प्रशंसा करते दिखाई देते हैं, लेकिन कभी रिलेशनशिप की बात को एक्सेप्ट नहीं करते। रश्मिका लास्ट फिल्म मिशन मजनू में दिखाई दी थीं जिसमे वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ लीड रोल में थीं। अब वह फिल्म एनिमल में नजर आएंगी जिसमे रणबीर कपूर और अनिल कपूर अहम किरदार में हैं।

सबकी नजर अब ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर है

ओटीटी पर आने वाली वेब सीरीजों तथा फिल्मों में अश्लीलता और गाली-गलौच की समस्या कई बार अखरती है। खास तौर पर जिन घरों में बच्चें हैं, वहां माता-पिता के लिए यह बड़ी समस्या बना जाती है। अब सरकार ने ओटीटी सेंसरशिप को लेकर बड़ा फैसला किया है।

बीते कुछ समय से लगातार चर्चा थी कि सरकार ओटीटी प्लेटफॉर्मों को सेंसरशिप के दायरे में ला सकती है। फिल्मों की तरह ओटीटी कंटेंट को भी सेंसर करने के लिए किसी बोर्ड या कमेटी की स्थापना की जा सकती है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों के विरुद्ध भाषा के स्तर पर गाली-गलौच और दृश्यों में अश्लीलता की काफी शिकायतें आती रही हैं। अब सरकार ने साफ कर दिया है कि सभी ओटीटी प्लेटफॉर्मों को अपने वयस्क कंटेंट को पहचान कर खुद ही उस पर नियंत्रण लगाना होगा। यह काम केंद्र द्वारा नहीं किया जाएगा। सरकार ने कुछ समय पहले ओटीटी प्लेटफॉर्मों से सुझाव मांगे थे कि वे अश्लीलता रोक के लिए स्वयं क्या उपाय कर सकते हैं।

पब्लिक नहीं, पर्सनल व्यूइंग

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कुछ दिन पहले कहा था कि फिल्मों की तरह ओटीटी कंटेंट के लिए भी सेंसरशिप और सख्त नियम होने चाहिए।

ओटीटी में वेब सीरीज और फिल्मों में अत्यधिक नग्नता की कई शिकायतें मिली थीं और मंत्रालय ने इस पर कुछ नियम बनाने का निर्णय लिया था।

ब्रेस्टफीडिंग से सना खान ने घटा लिया 15 किलो वजन

इंडस्ट्री छोड़ चुकी एक्ट्रेस सना खान इन दिनों मां बनने के बाद अपने जीवन के सबसे बेस्ट फेज को एंजॉय कर रही हैं। सना और उनके शौहर मुफ्ती अनस ने 5 जुलाई 2023 को अपने बेटे का स्वागत किया था, जिसका नाम उन्होंने सैयद तारिक जमील रखा है। माता-पिता बनने के बाद से सना और अनस फैंस को अपने बेटे की झलक दिखाते रहते हैं। ब्रेस्टफीडिंग अनुभव पर की बात वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक के दौरान एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में सना खान ने अपने ब्रेस्टफीडिंग के अनुभव के बारे में बात की और इसे एक महिला के लिए सबसे खूबसूरत एहसास बताया। उन्होंने कहा, स्तनपान बच्चे के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, क्योंकि दूध को सभी चीजों में सबसे स्वास्थ्यप्रद माना जाता है, इसलिए बच्चे के लिए इसे प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। यह उसके पेट को स्वस्थ रखता है, इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करता है और ओवरऑल ग्रोथ में भी मदद करता है। उसी इंटरव्यू में सना ने यह भी खुलासा किया कि कैसे ब्रेस्टफीडिंग से उन्हें वजन कम करने में मदद मिली। पूर्व अभिनेत्री ने एक महीने में 15 किलो से अधिक वजन कम करने का खुलासा किया और कहा, ऐसा नहीं है कि वजन कम करना और डिलीवरी के बाद वापस शेप में आना मेरी लिस्ट में टॉप पर था, लेकिन यह अच्छा लगता है। स्तनपान से मुझे एक महीने में लगभग 15 किलोग्राम वजन कम करने में मदद मिली है। मैं भी हैरान थी, लेकिन यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि स्तनपान से वजन कम होता है।

स्टाइलिश दिखने के लिए स्कर्ट के साथ इस तरह के फुटवियर करें कैरी

आज के समय में महिलाएं स्टाइलिश दिखने के लिए शॉर्ट स्कर्ट कैरी करती हैं। छोटी हाइट की महिलाएं खुद को हाइट में बड़ी दिखाने के लिए भी शॉर्ट स्कर्ट पहनना पसंद करती हैं। वर्किंग वुमन से लेकर कॉलेज गोइंग गर्ल शॉर्ट स्कर्ट पहनती हैं। लेकिन शॉर्ट स्कर्ट को कैरी करना हर किसी के लिए आसान नहीं है। शॉर्ट स्कर्ट में आप अपने आपको यूनिक लुक दे सकती हैं, लेकिन अगर आप स्कर्ट को सही तरीके से कैरी नहीं करती हैं, तो ये आपके लुक को खराब भी कर सकता है। कई महिलाएं शॉर्ट स्कर्ट के साथ किसी भी तरह के फुटवियर पहन लेती हैं।

जो आपके लुक के लिए बिल्कुल भी परफेक्ट नहीं है। शॉर्ट स्कर्ट के साथ फ्लेट फुटवियर कभी कैरी नहीं करने चाहिए। क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ देता है। ऐसे में आइए जानते हैं शॉर्ट स्कर्ट के साथ आप किस तरह के फुटवियर और सैंडल पहन सकती हैं।

पेंसिल

स्कर्ट नी लेंथ तक की फिटेड स्कर्ट को पेंसिल स्कर्ट कहते हैं। इस तरह की स्कर्ट न ही लॉन्ग स्कर्ट में आती है, न ही शॉर्ट स्कर्ट में आती है। पेंसिल स्कर्ट के साथ आप कम हील्स की सैंडल पहन सकती है। हर महिला के शू कलेक्शन में एक ब्लैक लो हील्स सैंजल जरूर होनी चाहिए। क्योकिं ये हर तरह के आउटफिट और स्कर्ट के साथ मैच करती है।

शॉर्ट

स्कर्ट किसी पार्टी या क्लब जाने के लिए अगर आप शॉर्ट स्कर्ट पहन रही हैं, तो कूल और स्टनिंग लुक पाने के लिए आप हाई हील्स सैंडल या फिर हाई हील्स बूट्स भी कैरी कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी काफी एक्ट्रैक्टिव नजर आता है।

फ्लेयर्ड

स्कर्ट फ्लेयर्ड स्कर्ट के साथ हमेशा आप हाई हील्स ही पहनें। इन दोनों का कॉम्बिनेशन आपको स्टनिंग लुक देने में मदद करता है। अगर आप हील्स को अवॉइड करना चाहती हैं, तो प्लेटफार्म सैंडल भी पहन सकती हैं।

ट्यूलिप स्कर्ट

ट्यूलिप स्कर्ट में आपका

फेमिनिन कर्व्स साफ नजर आता है। ऐसे में आप इस तरह की स्कर्ट के साथ ऐसे फुटवियर कैरी करें, जिसमें आपके एंकल्स आसानी से कवर हो जाएं। ट्यूलिप स्कर्ट के साथ आप स्ट्रैप वाली सैंडल भी पहन सकती हैं।ये आपके लुक को यूनिक बनाने में मदद करेगा।

फ्लेट

फुटवियर से बचें शॉर्ट स्कर्ट के साथ हमेशा फ्लेट फुटवियर पहनने से बचें। स्कर्ट के साथ फ्लेट फुटवियर में आप काफी छोटी लगेंगी।

इससे आपके स्कर्ट का लुक भी खराब हो सकता है। ●

अगस्त में घूमने के लिए बैस्ट हैं ये जगह

अगस्त के महीने में कई छुट्टियां मिल रही हैं। महीने की शुरुआत फ्रेंडशिप डे से हो रही है। उसके बाद 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस और महीने के अंत में रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। दोस्तों और परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए यह बेहतरीन मौके हैं। दोस्ती दिवस पर अपने दोस्तों संग घूम सकते हैं, पार्टी कर सकते हैं तो वहीं 15 अगस्त के मौके पर भी परिवार और बच्चों संग वक्त बिताया जा सकता है। रक्षाबंधन पर भाई बहन रोड ट्रिप पर जा सकते हैं। अगस्त में मिलने वाली इन छुट्टियों पर दोस्तों या परिवार के साथ घूमने की योजना बनाई जा सकती है। घूमने का अच्छा समय

मिलेगा। सफर पर जाने के लिए अगस्त में कुछ जगहें बेहतरीन विकल्प हो सकता है। मौसम व मौके के मुताबिक इस महीने में कुछ खास जगहों की ट्रिप की योजना बनाएं।

मनाली

अगस्त के पहले रविवार को मित्रता दिवस है। वीकेंड ट्रिप पर दोस्तों के साथ मनाली जा सकते हैं। यहां कई एडवेंचर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठाया जा सकता है। मनाली माल रोड पर खरीदारी के लिए जाने के साथ ही प्राकृतिक नजारों, झरने और झीलों के साथ दोस्तों संग मस्ती का मजा दोगुना हो जाएगा।

चेरापूंजी

अगस्त में सबसे अधिक छुट्टियां 15 अगस्त से पहले वाले वीकेंड पर मिल रही है। 12 अगस्त से 15 अगस्त तक चार दिन की छुट्टी के लिए चेरापूंजी घूमने जा सकते हैं। 14 अगस्त की छुट्टी लेकर मेघालय के चेरापूंजी में मौसम का मजा लिया जा सकता है। यहां पूरे साल बारिश होती है। रोमांचक मानसून ट्रेकिंग और चाय के बागानों का लुत्फ उठा सकते हैं।

माउंट आबू

अगस्त के महीने में राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू के सफर पर जा सकते हैं। इस हिल स्टेशन की सुंदरता और प्राकृतिकता इस मौसम में मन मोहक हो जाती है। यहां जोधपुर के किले, मंदिर और स्थानीय खाने का लुत्फ उठा सकते हैं।

मथुरा-वृंदावन

रक्षाबंधन की एक दिन की छुट्टी पर पूरा परिवार एकत्र हो रहा है तो मथुरा वृंदावन की सैर पर जा सकते हैं। एक-दो दिन की छुट्टी में मथुरा की सैर की जा सकती है। यहां गोकुल धाम, गोवर्धन पर्वत, प्रसिद्ध मंदिरों का सैर बजट में की जा सकती है और शाम में यमुना तट की आरती देखने जा सकते हैं। ●

दाल से बनाएं ये स्वादिष्ट पकवान

बारिश का मौसम किसे पसंद नहीं होता। अब जब भीषण गर्मी के बाद बारिश का मौसम आ गया है, तो लोग इस मौसम का जमकर आनंद ले रहे हैं। लोग घूमने जा रहे हैं, स्वादिष्ट पकवान खा रहे हैं। बरसात का मौसम ऐसा होता है कि तरह-तरह की चीजें खाने का मन करता है, पर बाहर का खाना आपकी तबियत बिगाड़ सकता है। ऐसे में महिलाएं इस मौसम में घर पर ही हर पकवान बनाने की कोशिश करती हैं।

अगर आप बारिश के मौसम में दाल से कुछ बनाना चाहती हैं तो आज के इस लेख में हम आपको कुछ स्वादिष्ट पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं। ये सभी पकवान दाल से बने होंगे तो इसे खाने से आपके परिवार और आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती। इन सभी चीजों को बनाना बेहद आसान होगा, आप आसानी से पकवानों को बनाकर बारिश का लुफ्त उठा सकती हैं।

मूंग दाल का डोसा

अगर आप चाहें तो अपने घरवालों के लिए मूंग डाल का डोसा बना सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। ये काफी हेल्दी होता है। इसे आप हरे धनिए की चटनी के साथ परोसेंगी तो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

मूंग दाल का ढोकला

अगर आपको ढोकला पसंद है तो आप मूंग दाल ढोकला बना सकती हैं। ये एक बेहद ही स्वादिष्ट और पौष्टिक ढोकला है जिसे साबुत मूंग, हर्ब्स और कुछ मसालों से बनाया जाता है।

मेदू वड़ा

मेदू वड़ा के बारे में तो हर कोई जानता है कि ये साउथ की लोकप्रिय और मशहूर डिश है।

इसे आप सांभर, चटनी, दही समेत किसी भी चीज के साथ खा सकते हैं। ●

गेंहू उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने पंजाब को पीछे छोड़ा–शेखावत

41 करोड़ रूपये से अधिक लागत के सिंचाई, पेयजल और अन्य विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण/शिलान्यास

>> सिंचाई सुविधा के विस्तार में मध्यप्रदेश में हुए उल्लेखनीय कार्य

>> विकास पर्व के दौरान इन्दौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र को मिली बड़ी सौगातें

इंदौर। विकास पर्व के दौरान आज इन्दौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगातें मिली हैं। सांवेर विधानसभा क्षेत्र में आज 41 करोड़ रूपये से अधिक लागत के सिंचाई, पेयजल और अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। यह शिलान्यास/लोकार्पण केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के मांगलिया और चंद्रावतीगंज में आयोजित विशाल जनसम्मेलन में किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याण कारी योजनाओं और कार्यक्रमों का मैदानी स्तर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के लिये अनेक नवाचार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सिंचाई सुविधा के विस्तार में उल्लेखनीय कार्य हुये हैं। इसके फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने गेंहू उत्पादन के क्षेत्र में पंजाब को पीछे छोड़ दिया हैं। मध्यप्रदेश गेंहू उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में अव्वल स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर चहुमुखी विकास की ओर कृत संकल्प होकर कार्य कर रही हैं। आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ ही जरूरतमंद परिवारों को गैस के सिलेण्डर उपलब्ध कराये गये हैं। स्वच्छता मिशन के तहत हर घर में शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रूपये तक के इलाज के लिये आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराये गये हैं। हमारी सरकार सभी वर्गों की कल्याण के लिये कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक नई इबारत लिखी गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, इन्दौर और सांवेर क्षेत्र के विकास में धन राशि की कमी नहीं आने दी जायेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर क्षेत्र हुये विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 32 करोड़ रूपये लागत के 10 स्टाप डैम, बैराज की स्वीकृति कराई गई है। लगभग 10 करोड़ रूपये लागत के 16 घाटो का निर्माण हुआ है। साथ ही एक करोड़ 77 लाख रूपये लागत से 10 मुख्य तालाबों का जीर्णोद्धार कराया गया है। साथ ही तीन हजार करोड़ रूपये लागत से नर्मदा-शिप्रा लिंक परियोजना के तहत 180 गांवों में नर्मदा का जल पहुंचाने के लिये भूमिपूजन किया गया है। 143 करोड़ रूपये लागत से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 205 गांवों में पेयजल टंकी और सम्पवेल का निर्माण कर हर घर में नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। नर्मदा मालवा गंभीर लिंक परियोजना से सांवेर के 53 गांवों में नर्मदा का जल पहुंचाया जा रहा है। आज सीएसआर मद से 10 करोड़ रूपये की लागत से मांगलिया में सतही स्त्रोत पेयजल योजना का भूमिपूजन किया गया है। इस योजना के पूर्ण होने से मांगलिया क्षेत्र के दस हजार से अधिक लोगों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी। इस योजना के लिये उन्होंने केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने सांवेर क्षेत्र में किये गये अन्य विकास कार्यों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिये तेज गति से कार्य हो रहे हैं। तेज गति से सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। सिंचाई क्षमता बढ़ाई जा रही है। नदियों के शुद्धिकरण की दिशा में भी बड़े काम हो रहे हैं।

सांसद शंकर लालवानी ने संबोधित करते हुये कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में चहुमुखी विकास हो रहा है। लोगों को अब मूलभूत सुविधाओं के लिये भटकना नहीं पड़ रहा है। घर बैठे नल से जल मिलने लगा है। स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

सिर्फ चुनाव के वक्त कांग्रेस प्रबंधन की दृष्टि से जनता को देखती है : अग्रवाल

स्टेट प्रेस क्लब, मप्र का रूबरू कार्यक्रम...

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि चुनावी बेला में कांग्रेस प्रबंधन की दृष्टि से जनता को वोट बैंक के नजरिये से देखती है, जबकि भारतीय जनता पार्टी वर्ष भर जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से चुनावी रण में उतरने के लिए तैयार रहती है। श्री अग्रवाल स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित रूबरू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री अग्रवाल ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस नेता छद्म हिन्दुत्व का मुखौटा लगा लेते हैं। भेड़ का मुखौटा लगाने से भेडियों का चरित्र नहीं बदलता। हाल ही में कांग्रेस नेताओं को धार्मिक आयोजन कराने का चस्का लग गया है। कांग्रेस के ही आचार्य प्रमोद कृष्णन, डॉ. गोविंद सिंह, सज्जनसिंह वर्मा जैसे नेता ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा कराए जा रहे आयोजनों पर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा सदा से सनातन भाव रखते हुए ऐसे आयोजनों को करती आई है इसलिए उनकी निष्ठा पर कोई संदेह व्यक्त नहीं करता। श्री अग्रवाल ने कहा कि भाजपा ने एंटी इनकम्बेंसी की अवधारणा को नकारते हुए प्रो इनकम्बेंसी का दौर स्थापित किया है। गुजरात सरकार इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एंटी इनकम्बेंसी कांग्रेस या क्षेत्रीय दलों की नकारा और निकम्मी सरकारों के लिए होती है। यह लोग सरकार में आते ही कार्यकर्ताओं को भूलकर परिवारवाद को बढ़ाने में लग जाते हैं, जबकि भाजपा हितग्राही आधारित राजनीति करती है इसलिए सदा निश्चिंत रहती है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस हो या क्षेत्रीय दल सभी परिवारवाद से ग्रस्त हैं। कांग्रेस में मोतीलाल नेहरू से लगाकर राहुल गांधी तक परिवारवाद का बोलबाला रहा है। सपा, आरजेडी, टीआरएस, शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दलों में अधिकांश दल परिवारवाद से उभर ही नहीं पाते हैं। भाजपा में आज तक कोई भी अध्यक्ष परिवारवाद की वजह से नहीं, बल्कि स्वाभाविक नेतृत्व की वजह से शीर्ष तक पहुंचा है।

दधीच का अवदान समाज के लिए अमूल्य था

इंदौर। बड़े भाग मानुष तन पावा, तुलसी बाबा का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि मनुष्य तन पाकर जो दूसरे के लिये जीते है, वहीं दधीच कहलाते है। उपर्युक्त उद्गार कविवर श्री सत्यनारायण सत्तन ने चन्द्रशेखर व्यास स्मरण की 43वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर आज भी हमारे बीच में है क्योंकि वह राष्ट्रहित के लिये जिया था, वह दधीच की परंपरा का व्यक्तित्व है। डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि महर्षि दधीच जनहितार्थ में और आसुरी प्रवृत्तियों के विनाश के लिए अपना तन न्यौछावर करने वाले पहले ऋषि थे और उन्होंने ही देहदान की परंपरा इस धरा पर अपनी ही देह दान कर प्रारंभ की। नृत्यगुरु पद्मश्री पुरू दधीच ने कार्यक्रम को प्रेरणा प्रदान करने वाला बताया और हिंदी साहित्य समिति से अपने पूर्व प्रसंगों पर विचार व्यक्त किये। डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ल ने कीर्ति शेष चन्द्रशेखर व्यास के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से जुड़े हुए कई प्रसंग सुनाये। इस अवसर पर डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी द्वारा लिखित महर्षि दधीच एक अनुशीलन का लोकार्पण किया गया कार्यक्रम का संचालन हरेराम वाजपेयी ने किया एवं आभार संयोजक श्री प्रकाश व्यास ने व्यक्त किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)